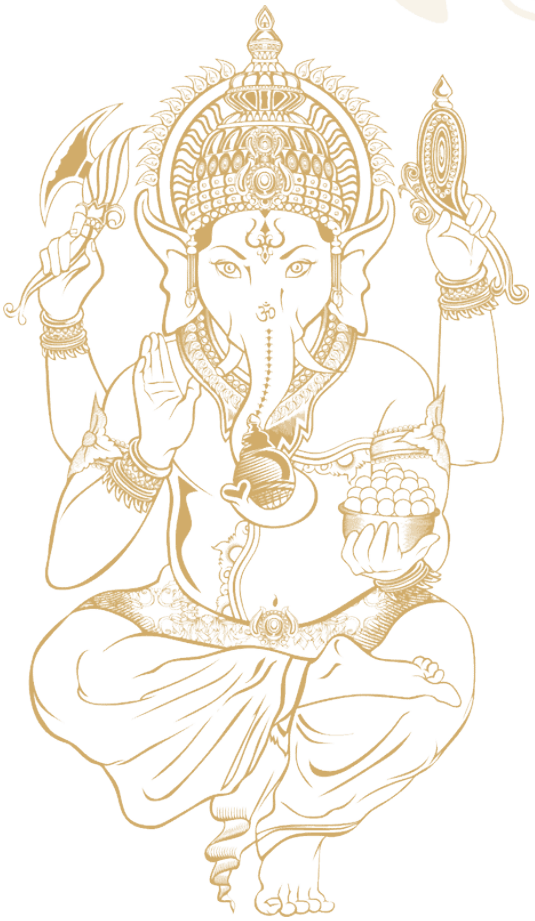

Prashant Mishra

04 Dec 1996

05:01 AM

Kulpahar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121901403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/12/1996**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:01:00 घंटे**
इष्ट	55:47:51 घटी
स्थान	**Kulpahar**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:20:00 उत्तर
रेखांश	79:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:11:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:49:32 घंटे
वेलान्तर	00:10:07 घंटे
साम्पातिक काल	09:41:48 घंटे
सूर्योदय	06:41:51 घंटे
सूर्यास्त	17:20:54 घंटे
दिनमान	10:39:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:16:45 वृश्चिक
लग्न के अंश	25:28:39 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:28:39	313:10:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	18:16:45	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	26:40:23	12:00:46	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			सिंह	24:02:57	00:27:58	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			धनु	05:19:35	01:26:52	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
गुरु			धनु	25:08:19	00:12:34	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			तुला	19:41:35	01:14:29	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
शनि			मीन	06:47:42	00:00:03	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कन्या	11:45:08	00:00:26	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	11:45:08	00:00:26	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	08:03:49	00:02:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:04:23	00:01:46	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:32:07	00:02:21	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	29:17:51	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:51

लग्न-चलित

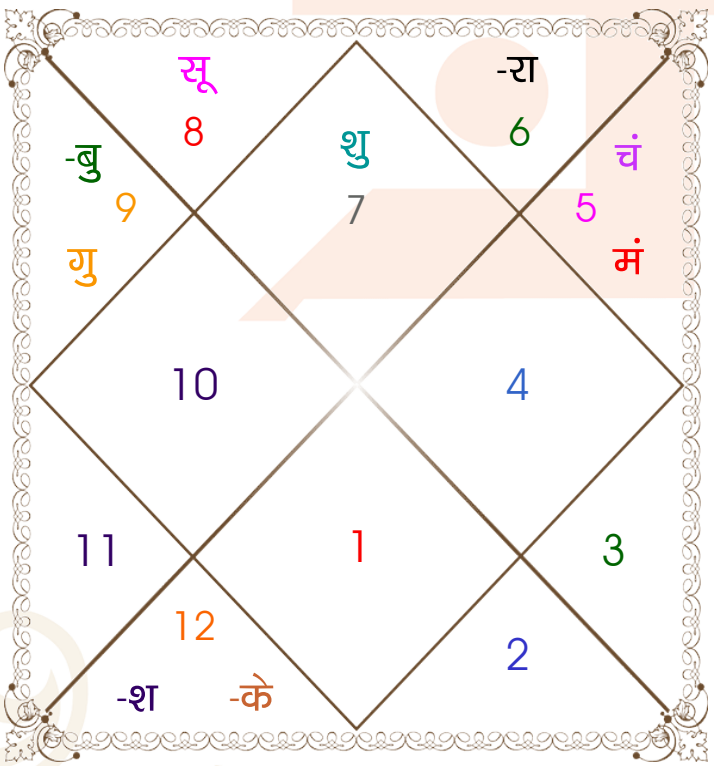

चन्द्र कुंडली

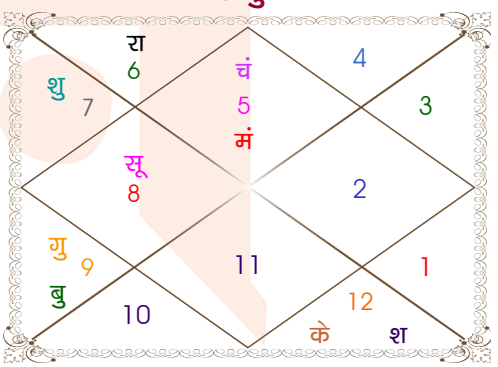

नवमांश कुंडली

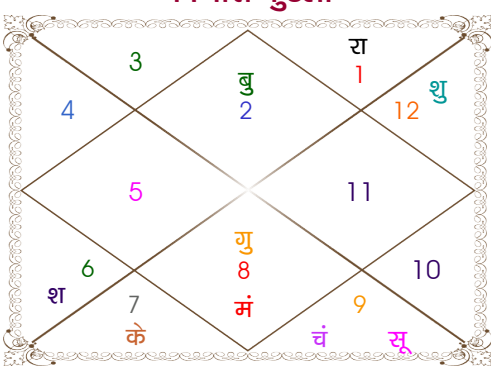

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 11 मास 29 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/12/1996		03/12/2002		03/12/2012		03/12/2019		03/12/2037	
03/12/2002		03/12/2012		03/12/2019		03/12/2037		03/12/2053	
सूर्य	22/03/1997	चंद्र	04/10/2003	मंगल	01/05/2013	राहु	16/08/2022	गुरु	21/01/2040
चंद्र	21/09/1997	मंगल	04/05/2004	राहु	19/05/2014	गुरु	08/01/2025	शनि	03/08/2042
मंगल	27/01/1998	राहु	02/11/2005	गुरु	25/04/2015	शनि	15/11/2027	बुध	08/11/2044
राहु	21/12/1998	गुरु	04/03/2007	शनि	03/06/2016	बुध	04/06/2030	केतु	15/10/2045
गुरु	10/10/1999	शनि	03/10/2008	बुध	31/05/2017	केतु	22/06/2031	शुक्र	15/06/2048
शनि	21/09/2000	बुध	04/03/2010	केतु	27/10/2017	शुक्र	22/06/2034	सूर्य	03/04/2049
बुध	28/07/2001	केतु	03/10/2010	शुक्र	27/12/2018	सूर्य	17/05/2035	चंद्र	03/08/2050
केतु	03/12/2001	शुक्र	03/06/2012	सूर्य	04/05/2019	चंद्र	14/11/2036	मंगल	10/07/2051
शुक्र	03/12/2002	सूर्य	03/12/2012	चंद्र	03/12/2019	मंगल	03/12/2037	राहु	03/12/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
03/12/2053		03/12/2072		03/12/2089		03/12/2096		04/12/2116	
03/12/2072		03/12/2089		03/12/2096		04/12/2116		00/00/0000	
शनि	06/12/2056	बुध	01/05/2075	केतु	01/05/2090	शुक्र	04/04/2100	सूर्य	05/12/2116
बुध	16/08/2059	केतु	27/04/2076	शुक्र	01/07/2091	सूर्य	04/04/2101		00/00/0000
केतु	24/09/2060	शुक्र	26/02/2079	सूर्य	06/11/2091	चंद्र	04/12/2102		00/00/0000
शुक्र	24/11/2063	सूर्य	03/01/2080	चंद्र	06/06/2092	मंगल	03/02/2104		00/00/0000
सूर्य	05/11/2064	चंद्र	03/06/2081	मंगल	02/11/2092	राहु	03/02/2107		00/00/0000
चंद्र	07/06/2066	मंगल	31/05/2082	राहु	21/11/2093	गुरु	04/10/2109		00/00/0000
मंगल	16/07/2067	राहु	18/12/2084	गुरु	28/10/2094	शनि	04/12/2112		00/00/0000
राहु	22/05/2070	गुरु	26/03/2087	शनि	06/12/2095	बुध	05/10/2115		00/00/0000
गुरु	03/12/2072	शनि	03/12/2089	बुध	03/12/2096	केतु	04/12/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।